University of Kota, Kota
B.A/ B.Sc./B.Com. –Pt-III
Exam-2015

LIVESTOCK AND DAIRYING

Scheme:			Sc.		Arts/Com.	
	Nomenclature	Dur.	Max./Min. Marks		Max./Min. Marks	
Paper I		3 hrs	75	27	65	24
Paper II		3 hrs	75	27	65	24
Practical		4 hrs	75	27	70	26

Paper- I: Live Stock Products, By–Products and their uses.

Duration: 3 hrs. **Max Marks 65 (Arts/Com.)/ 75 (Sc.)**

1. Meat slaughter houses: methods of slaughtering, meat hygine, storage, preservation and marketing,
2. Skin- Method of skinning, types of skin, its preservation, tanning, dyeing uses of various products of skin.
3. Horns, hoofs, bones and blood. Intective – collection, processing and uses.
4. Wool shearing, grading, processing and uses.
5. Animal wastes-gobar urine, their collection storage processing and utilization, composts manures and warmi compost.
6. Gobar gas-construction and types of plant. Production utilization of gas.
7. Milk–By–Products-skin. Milk, ghee, buttermilk and their uses, manufacture of casein.

Paper II – Dairy Economics

1. **Duration: 3 hrs.** **Max Marks 65 (Arts/Com.)/ 75 (Sc.)**
2. Dairy Economic-its definition, meaning and scope, importance of the study of dairy economics in relations to India and Rajasthan.
3. Consumption of dairy products-demand and supply of milk and milk products in India and Rajasthan, determination of price, price and income elasticities of demand cross elasticities.
4. Production of dairy products, principles of production as applied to milk and milk products, cost of production, load diminishing returns, least cost combinations, and opportunity cost principal enterprise combination comparative advantages.
5. Profit/Efficiency measures on a dairy,'farm-income, net income, return to factor of production as labour income, return to capital, return to management etc. efficiency measure for labour, capital, livestock production index economic of dairy of vis-a- vis, mixed farms.
6. Marketing of dairy products. The nature and problems of marketing in dairy products, and how they differ from farm products, marketing functions, marketing agencies, livestock markets and cattle fair, marketing costs & margins.
7. Budgeting and planning on dairy farms.

8. Dairy cooperatives-history, development, organization and set up dairy cooperatives in India and abroad, role and types, problems and suggestions for improvement.
9. Role of credit and dairy finance- need, types and sources of credit availability) on dairy farms. Principles of dairy financing and repayment procedures.
10. Price policy and role of government in regulating pricing of dairy products, role of government in the establishment of dairy farm.

PRACTICALS

Min Pass Marks: 26 (Arts/Com.)/ 27 (Sc.) **Max Marks 70 (Arts/Com.)/ 75 (Sc.)**
5 hours duration

1. Study of slaughtered cares of an animal determination of proportions of edible and non parts, bones and flesh, dressed percentage.
2. Preservation of skin.
3. Shearing of sheep, grading of wool.
4. Preparation of decorative items from horns and hoofs.
5. Preparation of case in, its storage and disposal.
6. Study of gobar gas plant, marketing of slasy, changing the plants, removal of decomposed dung.
7. Determination of overall and wet average yields of animals.
8. Working out the requirements for starting a dairy with different number of animals.
9. Working out the cost of milk production under different conditions of management and production.
10. Preparation of credit proposal for tarting a dairy farm with different number of animals.
11. Visit to dairy farms, lead banks and their financing institutions.

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम–तृतीय वर्ष परीक्षा–2015

पशुधन एवं डेयरी

Min Pass Marks 54 Duration Max Marks 200 Min.Pass Marks

Scheme:		Sc.		Arts/Com.	
Nomenclature	Dur.	Max./Min. Marks		Max./Min. Marks	
Paper I	3 hrs	75	27	65	24
Paper II	3 hrs	75	27	65	24
Practical	4 hrs	75	27	70	26

Note: Common paper will be set for the faculties of social Science, Science and Commerce. However the marks obtained by the candidates in the faculty of social science will be converted according to the ratio of the maximum marks of the papers in three faculties.

प्रश्नपत्र प्रथम–पशुधन से प्राप्त उत्पादन, सह–उत्पादन एवं उनका उपयोग

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक : 65 (कला/वाणिज्य)/75**
(विज्ञान)

1. मॉस – पशुवध गृह, पशुओं को काटने की विधियॉ, अरोग्य मांस पैदा करना, मांस का भण्डारण, परीक्षण विपणन
2. खाल–खाल उतारने के विभिन्न तरीका, खालों के प्रकार, खालों के प्रकार, खाल का परीक्षण, खाल को पकाना, खाल को रंगना। विभिन्न प्रकार की वस्तुये तैयार करने के लिए चमडे का उपयोग ।
3. सीगं, खुरव हड्डियों का इकट्टा करना, संसाधित करना एवं उनका उपयोग ।
4. ऊन – भेड से ऊन कतरना ऊन का श्रेणीकरण, ऊन को संसाधिक करना व ऊन का उपयोग ।
5. पशुओं से प्राप्त होने वाले बेकार पदार्थ जैसे गोबर, रक्त, मुत्र का एकत्रीकरण, भण्डारण, संसाधिक करना और उपका उपयोग । कम्पोस्ट व गोबर की खाद तैयार करना ।
6. गोबर गैस– गौबर गैस संयंत्र के प्रकार, गोबर गैस संयंत्र का निर्माण, गैस का उत्पादन एवं उसका उपयोग ।
7. दुध का उपजात– मक्खनियॉ दुध, कैसीन, छाछ तैयार करना एवं इनका उपयोग ।

प्रश्न पत्र द्वितीय – डेयरी अर्थशास्त्र

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक : 65 (कला/वाणिज्य)/75**
(विज्ञान)

1. डेयरी अर्थशास्त्र की परिभाषा, अर्थ क्षेत्र, विशेषताऐं। डेयरी अर्थशास्त्र के अध्ययन का भारत और राजस्थान में महत्व ।

2. डेयरी पद्वार्थो का उपयोग –भारत व राजस्थान में दुध व दुध से बने दुग्ध पद्वार्थे की मांग व पूर्ति, मूल्य निर्धारण, आय व मूल्य । मांग की लोच, मांग की आडी व तिरछी लांच ।
3. डेयरी पद्वार्थो का उत्पादन, दुध व दुध से बने पद्वार्थो पर उत्पादन सिद्वान्तों को लागू करना, उत्पादन लागत सिद्वान्त, न्यूनतम लागत सहयोग, अक्सर लगत सिद्वान्त, औद्योगिक सहयोग, तुलनात्मक लाभ का सिद्वान्त ।
4. एक डेयरी फार्म पर लागत क्षमता का मापन – कुल आय, शुध आय श्रमिक से आय, पुँजी से आय, प्रबंध से आय इत्यादि। श्रमिक व पुँजी की आय क्षमता का मापन, पशुधन, उत्पादन सुचकांक । डेयरी व मिक्स फार्म प्रबन्ध के व्यक्तिगत सिद्वातं एव उनकी अर्थव्यवस्था ।
5. डेयरी पदार्थो का विपणन – डेयरी पदार्थो का विपणन, व्यवस्था एवं समस्याऐं, यह फार्म पदार्थो से किस प्रकार भिन्न है। विपणन कार्य ऐजेन्सी एवं विपणन सस्थाऐं । पशु विपणन व्यवस्था और पशु मेले ।
6. एक डेयरी फार्म के लिए नियमन, नियोजन एवं अर्थव्यवस्था ।
7. डेयरी सहकारिकता– इतिहास, विकास, भारत में डेयरी सहकारिकता की स्थापना, डेयरी सहकारिता के कार्य व समसयाऐं और उनका समाधान ।
8. साख के कार्य व डेयरी वित – इसकी आवश्यकता, इसके प्रकार, डेयरी फार्म पर साख उपलब्धता के स्त्रातो, डेयरी वित के सिद्वान्त व प्रबंध एवं ऋण अदायगी के तरीके ।
9. मूल्य नीति व डेयरी द्वारा वस्तुओं के मूल्यओं के मूल्य निर्धारण में सरकारी की भुमिका । डेयरी फार्मो की स्थापना में सरकार का योगदान ।

प्रयोगात्मक

अवधि 4 घंटे **अधिकतम अंक : 70 (कला/वाणिज्य)/75 (विज्ञान)**

1. वध किये गये पशु के शरीर के अध्ययन, खाने योग्य व न खाने भागों का पता लगाना, हड्डी और मांस प्रतिशत ज्ञान करना ।
2. खाल का परिरक्षण ।
3. भेड की ऊन कतरना व ऊन का श्रेणीकरण।
4. खुर व सींगों से सजावाट की वस्तु तैयारी करना।
5. केसीन तैयार करना, भण्डारण एवं विक्रय करना ।
6. गोबर गैस संयंत्र का अध्ययन करना, सिलरी तैयार और इसें खाद में बदलना ।
7. पशुओं का औसत उत्पादन ज्ञान करना ।
8. विभिन्न परिस्थितियों में अलग–अलग पशु संख्या से शुरू की जाने वली डेयरियों के लिए विभिन्न आवश्यकताओं का पता लगाना ।
9. दुग्ध उत्पादन लागत ज्ञात करना ।
10. विभिन्न पशु संख्याओं से शुरू की जाने वाली डेयरी फार्म के लिए साख प्रस्ताव तैयार करना ।
11. डेयरी फार्म, लीड बैक व वित संस्थाओं का भ्रमण ।